भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
राज्य सभा
तारांकित प्रश्न सं. *146
31 जुलाई, 2026 को जवाब दिया

छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में एनआईएफटी परिसर के निर्माण की प्रगति

***146. श्रीमती फूलो देवी नेतमः**

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

क) नवा रायपुर में नवनिर्मित राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी) के स्थायी परिसर के निर्माण की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) सरकार द्वारा इस संस्थान के लिए अब तक कितनी निधि जारी की गई है; और

(ग) क्या इस परिसर में छत्तीसगढ़ के स्थानीय आदिवासियों और पारंपरिक कोसा रेशम बुनकरों के कौशल विकास के लिए कोई विशेष अनुसंधान केंद्र अथवा पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है?

उत्तर
वस्त्र मंत्री
(श्री गिरिराज सिंह)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 31.07.2026 को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में निफ्ट परिसर के निर्माण की प्रगति के संबंध में श्रीमती फूलो देवी नेतम द्वारा पूछे जाने वाले राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या *146 के संदर्भ में उल्लिखित विवरण।

(क): छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने नवा रायपुर में 15.07 एकड़ (61,101.07 वर्गमीटर) भूमि आबंटित की है। इस भूमि का अधिग्रहण निफ्ट को प्राप्त हो गया है। नए परिसर के निर्माण हेतु तकनीकी परामर्शदाता के चयन के लिए निविदा (आरएफपी) आमंत्रित की गई है।

(ख): छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा निम्नानुसार राशि आबंटित की गई है:

I. भूमि की खरीद – 21.18 करोड़ रुपए
II. नए परिसर का निर्माण – 200 करोड़ रुपए
III. फर्नीचर, यंत्र, उपकरण – 50 करोड़ रुपए
IV. 5 वर्ष तक राजस्व घाटा अथवा परिसर के वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर होने तक – अब तक कोई राशि जारी नहीं की गई है।

(ग): निफ्ट रायपुर ने चार वर्षीय कार्यक्रम निम्नलिखित 3 स्नातक पाठ्यक्रमों के साथ दिनांक 29.07.2026 से पुराने विधानसभा भवन, रायपुर के अस्थायी परिसर से प्रारंभ कर दिया है:

i. बैचलर ऑफ फैशन डिजाइन
ii. बैचलर ऑफ एसेसरी डिजाइन
iii. बैचलर ऑफ फैशन इंटीरियर्स

इन चार वर्षीय कार्यक्रम में प्रवेश हेतु 20% डोमिसाइल सीटें निर्धारित संख्या से अधिक (सुपर न्यूमरली) आरक्षित हैं। इस कोर्स के पाठ्यक्रम में स्थानीय शिल्प की पहचान करने और बुनकरों (कोसा सिल्क वीव्स), ढोकरा (सेल मेटल कास्टिंग), लोहा शिल्प (रॉट आयरन), बस्तर वुड क्रॉफ्ट, बैम्बू और केन आर्ट, टेरीकोटा और प्ले क्रॉफ्ट आदि सहित स्थानीय जनजातीय शिल्पकारों के कौशल को अपग्रेड करने की परिकल्पना की गई है।

वर्ष 2026 के प्रवेश हेतु 21 डोमिसाइल सीटों सहित कुल 123 सीटें जारी की गई हैं जिनमें से 82 सीटों पर प्रवेश की पुष्टि हो चुकी है।

***